Patrika Dated 31st Jan 2017

आजादी के लिए वीर सपूतों ने बहाया खून

रायपुर ●आईआईएम रायपुर के स्टाफ और स्टूडेंट्स ने 30 जनवरी को महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शहीद दिवस के दौरान श्रद्धांजलि सभा व कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान उन वीर सपूतों और सैनिकों की शहादत को याद किया गया, जिन्होंने अपना बलिदान देश की रक्षा के लिए कर दिया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम के बाद आईआईएम के निदेशक प्रो. बीएस सहाय ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने शहीद दिवस के महत्व के बारे में कहा, 'हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने हमारे देश की रक्षा के लिए अपनी जान गवां दी', हमें इन सभी स्वतंत्रता के नायकों को याद रखना चाहिए। वहीं कार्यक्रम में प्रो. पीआरएस शर्मा आईआईएम रायपुर के पीजीपी अध्यक्ष ने मौन के महत्व के बारे में बताया।

स्टूडेंट्स ने रखी अपनी राय

हर्षित कालरा ने कहा, हम उन सभी के आभारी हैं, जिन्होंने हमारे लिए एक स्वतंत्र भारत में रहना और सांस लेना संभव बनाया। हमें इस स्वतंत्रता को कम नहीं आंकना चाहिए।

प्रशांत गुप्ता ने कहा, हमें सिर्फ शहीद दिवस मनाने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। हमें अपने देश के नागरिकों में जिम्मेदारी की भावना जगाना चाहिए ताकि वे जब भी राष्ट्र को जरूरत हो बलिदान करने के लिए तैयार रहें।

श्रुति लांजेवार ने कहा, हमारी सेना ने पिछले एक साल में एक लंबी छलांग मारी है, चाहे वह सर्जिकल स्ट्राइक हो या जम्मू-कश्मीर सीमा पर हो रहे विद्रोह का मुकाबला हो। उनकी बिना शर्त सेवा की जितनी भी सराहना और प्रशंसा की जाए वह कम है।

प्रतीक घोडेश्वर ने कहा, शहादत से अधिक हमारे स्वतंत्रता सेनानियों की जो इच्छा थी वह यह थी कि उनके बलिदानों के प्रतिफल का सम्मान करना, अर्थात हमारी आजादी।